आओ चलें गाँव की ओर

राजवीर सिंह नागर

आओ चलें गाँव की ओर, पेड़ के नीचे बैठे जाकर।
जोहड़, झील और तालाबों में, वर्षा जल को रखें संजोकर।।

वर्षा के आने से पहले, जोहड़ों से गाद निकालें।
बेहतरीन खाद होती ये, इसे अपने खेतों में डालें।।

पेड़ लगाएं, पेड़ बचाएं, चहुंदिश हरियाली लहलहाएं।
लम्बा हो बरखा का दौर, खेती पर छाए रंग और।।

पहले रिमझिम रिमझिम वर्षा, फिर झमाझम झड़ का मेह।
भादों और क्वार में जब हो वर्षा, मिट जाए मिट्टी की रेह।।

रौनक लौट आएगी सारी, सूखे की भी मिटे बीमारी।
धरा सोख पाएगी नमी को, राहत मिलेगी इससे जमीं को।।

फिर रबी में कम सिंचाई से, ही भरपूर फ़सल लहलहाए।
बिजली की भी बचत हो इससे, और लागत में
भी कमी आए।।

डॉ. राजवीर सिंह नागर
4 बी, पाकेट 6, मयूर विहार फेज 3
नई दिल्ली 110096
[मो.: 9911409912]

जरूरत है विज्ञान की

सूर्य कांत शर्मा

विपदा में विशेष, जरूरत है विज्ञान की।
तोड़ने को अंधविश्वास, जरूरत है ज्ञान और विज्ञान की।।

याद तो करो, क्या है चरक संहिता में।
संक्रमण तो संक्रमण है, न सुनेगा मानेगा।।

हर किसी को होनी चाहिए, समझ सामान्य विज्ञान की।
व्यक्ति से ब्रह्मांड तक, बात समझ लो ज्ञान की।।

कार्बन जब दबते जमीं में, हजारों साल नीचे और बनते हीरे।
ऐसी ही वैज्ञानिक सोच, जो बनती, निखरती और फलती
धीरे-धीरे।।

कोरोना को समझना होगा, विज्ञान की आंख से।
मनन करो, और सोचो, अपने अन्तर्मन से।।

सावधानी बरतो, और गलती न करो कोविड प्रोटोकॉल में।
करो जागरूक लोगों को, कम से कम विपदा काल में।।

जीवन पर जब कोई समस्या, कहर ढाती है।
तब वैज्ञानिक तकनीक उसका, हल ढूंढ लाती है।।

तो है ना जरूरत विज्ञान की,
बस मान लो बात विज्ञान की,
बस मान लो बात विज्ञान की।

श्री सूर्य कांत शर्मा
वरिष्ठ अधिकारी, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
तथा पत्रकार एवं स्तंभकार
डी-2, राधा कुंज, प्लॉट नम्बर 201, गली नम्बर 9
महावीर एन्क्लेव, नई दिल्ली 110 045